VISION IAS

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1073)

Name of Candidate	गौरव कुमार त्रिपाठी		
Medium Eng./Hindi	हिन्दी	Registration Number	85080
Center	आनलाइन	Date	18/sep/2018

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	
13	20	
14	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **FOURTEEN** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें चौदह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

M-1/4, Plot No-A-12/13, Ist Floor, Ansal Building, Dr. Vidya Sagar Homeopathic Clinic, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

Answer the following questions in not more than 150 words each:

1. **(a)** Discuss the ethical issues involved in the recent refugee crisis and immigration as a global phenomenon from a broad perspective of globalisation and rights of citizens and aliens. **(10)**

वैश्वीकरण और नागरिकों एवं विदेशियों के अधिकारों के व्यापक परिप्रेक्ष्य की दृष्टि से विचार करते हुए एक वैश्विक परिघटना के रूप में हालिया शरणार्थी संकट और आप्रवासन में समाविष्ट नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

वर्तमान समय में पूरा विश्व शरणार्थी एवं अप्रवासन से जूझ रहा है। सीरिया, यमन, अफगानिस्तान एवं म्यांमार जैसे देशों से लाखों लोग शरण की तलाश में अन्यत्र जा रहे हैं।

इसमें विद्यमान नैतिक मुद्दे -

मानवाधिकारों का उल्लंघन - मूल स्थान पर मानवाधिकार उल्लंघन, उत्पीड़न, हिंसा शरणार्थी समस्या को जन्म देती है।

→ स्थानीय निवासियों के संसाधन मे कमी - सीमित संसाधनों हेतु प्रतिस्पर्धा तनाव को जन्म देती है जिससे अप्रवासी एवं शरणार्थियों को संकट का सामना करना पड़ता है।

→ तस्करी एवं उत्पीड़न - अन्यत्र स्थान पर शरणार्थी काफी सुभेद्य होते है।

→ अप्रवासियों को समस्या मानना - स्थानीय निवासी प्रायः अप्रवासियों को उनके

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कौशल क्षमता नहीं, बल्कि एक प्रतिस्पर्धी के ~~रूप~~ रूप में देखते हैं।

→ करुणा, सहानुभूति, समानुभूति की कमी के कारण प्रायः इन्हें स्थानीय पुलिस एवं अधिकारियों के उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है।

→ इसमें शामिल बच्चे तथा महिलाओं से जुड़े मुद्दे – वेश्यावृत्ति, बंधुआ मजदूरी इत्यादि समस्या।

इस व्यापक समस्या को देखते हुये पूरे विश्व को इस मुद्दे पर एकीकृत प्रयास करने चाहिए तथा अप्रवासियों को सम्मान एवं शरणार्थियों के मानवाधिकारों की रक्षा होनी चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. **(b)** Corruption distorts not only functioning of the Government in India but business and corporate activities as well. Explain and discuss how the state can effectively deal with deficit of ethics in the private sector. **(10)**

भ्रष्टाचार न केवल भारत में सरकार की कार्यप्रणाली अपितु कारोबार एवं कॉर्पोरेट गतिविधियों को भी विकृत करता है। व्याख्या करते हुए चर्चा कीजिए कि राज्य निजी क्षेत्र में नैतिकता की कमी से किस प्रकार प्रभावी रूप से निपट सकता है।

भ्रष्टाचार से तात्पर्य भ्रष्ट आचरण से है, अर्थात अनैतिक तरीके का प्रयोग (रिश्वत, पद का दुरुपयोग इत्यादि) के द्वारा अपने हितों की पूर्ति।

① सरकार की कार्यप्रणाली विकृत

→ भ्रष्ट सिविल सेवक व्यक्तिगत हितों को प्राथमिकता देते है।

→ जनकेन्द्रित शासन तथा कल्याणकारी राज्य की स्थापना में असफलता

→ शासन में अक्षमता।

→ जनहित के कार्यों मे देरी – गरीबी, कुपोषण की समस्या मे वृद्धि।

② कारोबार एवं कारपोरेट गतिविधियों की विकृति – भ्रष्टाचार से गलत सूचना (शेयरधारकों की हितों की अनदेखी – सत्यम घोटाला, PNB घोटाला)

→ कंपनी के कार्यों में पारदर्शिता नहीं।

→ भ्रष्टाचार कंपनी के उत्पादों की लागत बढ़ा देता है। अतः मांग कम

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ पकड़े जाने पर जनता से विश्वास में कमी तथा अन्य कंपनियों पर प्रभाव।
→ बैंकों का NPA तथा ट्विन बैलेंस शीट समस्या में वृद्धि।

निजी क्षेत्र में नैतिकता की कमी से निपटने के उपाय।

→ कारपोरेट गवर्नेंस लागू किया जाए।
→ हितधारकों की संलग्नता बढ़ाई जाए।
→ प्रतिस्पर्धा आयोग जैसे विनियामकों की जवाबदेही तय की जाए।
→ लेखा परीक्षा तृतीय पक्ष के माध्यम से
→ तकनीक का प्रयोग (ERP जैसे)
→ नैतिकता का प्रशिक्षण।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. Given below are two quotations of moral thinkers/ philosophers. For each of these, bring out what it means to you in the present context.

(a) "Silence becomes cowardice when occasion demands speaking out the whole truth and acting accordingly" - Mahatma Gandhi. **(10)**

नीचे नैतिक विचारकों/दार्शनिकों के दो उद्धरण दिए गए हैं। इनमें से प्रत्येक के लिए स्पष्ट कीजिए कि, वर्तमान संदर्भ में आपके लिए इनका क्या महत्व है।

"मौन तब कायरता बन जाता है जब परिस्थिति की मांग पूरा सच बता देने और उसी अनुसार कार्य करने की होती है" - महात्मा गांधी।

इस कथन का निहितार्थ है, कि व्यक्ति अगर सच जानते हुये भी चुप है, तो उसमें साहस के मूल्यों की कमी है। जबकि सत्य एक नैतिक व्यक्ति का प्रमुख गुण होता है।

वर्तमान संदर्भ में महत्व -

व्यक्तिगत जीवन में - उदा०- बाल विवाह होते हुये देखना (किसी रिश्तेदारी में) तथा यह जानते हुये भी कानूनी रूप से अवैध है उसकी शिकायत न करना।

→ सामाजिक जीवन में - अपने वरिष्ठ अधिकारियों के भ्रष्ट आचरण के विरुद्ध कोई शिकायत नहीं करना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (b) "We must not only tolerate others, but positively embrace them" - Swami Vivekananda. (10)

"हमें न केवल अन्य लोगों के प्रति सहिष्णु होना चाहिए, अपितु उन्हें सकारात्मक रूप से स्वीकार भी करना चाहिए" - स्वामी विवेकानंद।

उपरोक्त कथन न केवल सहिष्णुता की आवश्यकता (विपरीत मतों वाले व्यक्तियों की बातो को सुनना) बल्कि उनके तर्कों के सही होने पर उन्हे स्वीकारने के महत्व को बताता है।

वर्तमान संदर्भ में महत्व -

→ समाज में धार्मिक अविश्वास तथा कट्टरपंथ फैल रहा है, इससे निपटने में कारगर।

→ वर्तमान में जारी शरणार्थी संकट के समाधान हेतु महत्वपूर्ण।

→ यह किसी सिविल सेवक को दैनिक जीवन में विभिन्न मतों एवं संप्रदायों के लोगों के हितों हेतु कार्य करने मे मददगार।

→ अल्पसंख्यकों के संरक्षण हेतु आवश्यक।

इस प्रकार विवेकानंद के उपरोक्त कथन का पालन कर समाज में सर्वधर्म समभाव तथा शांति कायम की जा सकती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (a) Emotional Intelligence is part nature and part nurture. Explaining the statement, discuss how emotional intelligence of civil servants can be enhanced. (10)

भावनात्मक बुद्धिमत्ता अंशतः स्वभावगत तथा अंशतः परवरिश के माध्यम से विकसित की जाती है। इस कथन की व्याख्या करते हुए, चर्चा कीजिए कि सिविल सेवकों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता को कैसे बढ़ाया जा सकता है?

भावनात्मक बुद्धिमत्ता स्वयं तथा दूसरों की भावनाओं को समझने तथा उनका प्रबंधन करने की क्षमता होती है।

कुछ लोगों का मानना है, कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता प्रायः जन्म से ही अर्थात अनुवांशिक होती है। क्योंकि एक ही परिवेश अथवा सामाजिकरण की प्रक्रिया में रहे लोगों की भावनात्मक बुद्धिमता में अंतर पाया जाता है।

जबकि कुछ लोग इसे परवरिश के माध्यम से विकसित मानते हुये प्रशिक्षण के माध्यम से भावनात्मक बुद्धिमत्ता का विकास मानते हैं।

परंतु वास्तव में यह दोनों ही बातों का मिश्रण होती है, तथा इसका कुछ अंश स्वभावतः जबकि कुछ अंश परवरिश के माध्यम से विकसित होता है। (उदा० - किसी कंपनी के द्वारा प्रशिक्षित लोगों की भावनात्मक बुद्धिमता में समानता एवं अंतर के तत्व)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- सिविल सेवक को सिविल सेवा की चुनौतियों से निपटने हेतु भावनात्मक बुद्धिमत्ता की आवश्यकता होती है, इसके बढ़ाने के उपाय।

→ समय-समय पर प्रशिक्षण की व्यवस्था करके।

→ स्वजागरूकता बढ़ाने वाली गतिविधियाँ अर्थात योग, प्राणायाम की व्यवस्था करके।

→ समय-समय पर छुट्टी अवकाश, इत्यादि मुहैया करायी जाये।

→ जनसहभागिता वाली गतिविधियों में भागीदारी बढ़ायी जाये।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(b)** What do you understand by Probity in Governance? Examine whether the recent amendments to Prevention of Corruption Act and the proposed ones in Whistleblower Protection Act undermine it. **(10)**

शासन व्यवस्था में ईमानदारी (प्रोबिटी) से आप क्या समझते हैं? परीक्षण कीजिए कि क्या हाल ही में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम में किए गए संशोधन एवं व्हिसल ब्लोअर संरक्षण अधिनियम में प्रस्तावित संशोधन इसे कमजोर करते हैं?

शासन व्यवस्था में ईमानदारी से तात्पर्य किसी लोकसेवक के सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी से है। नोलन समिति के अनुसार एक ईमानदार सिविल सेवक को अपने हितों का स्पष्ट प्रकटन करना चाहिए।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम में संशोधन

→ भ्रष्टाचार देना भी अपराध।
→ सिविल सेवक पर कार्यवाही हेतु पूर्व अनुमति की आवश्यकता।
→ अवैध तरीके से अर्जित संपत्ति का जब्ती
→ पद का गलत फायदा उठाना आपराधिक गतिविधि।

~~ये न केवल~~ ये संशोधन न केवल ईमानदार सिविल सेवकों का संरक्षण करते है, बल्कि भ्रष्टाचार देने वाले को भी अपराधी घोषित करना प्रोबिटी बढ़ाने में मददगार साबित होगा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

व्हिसल ब्लोअर एक्ट में प्रस्तावित संशोधन तथा इसके प्रभाव :

→ व्हिसल ब्लोअर की पहचान का खुलासा करना अपराध - यह व्हिसल ब्लोअर की सुरक्षा करेगा तथा लोकसेवकों को भ्रष्ट आचरण के प्रति निवारक का कार्य करेगा।

→ गलत सूचना पर व्हिसल ब्लोअर को दंड - यह ईमानदार सेवक की रक्षा करेगा तथा ईमानदारी को प्रोत्साहन देगा।

→ केवल RTI की सूचना ही मान्य - हालांकि यह प्रावधान सिविल सेवकों की जवाबदेही कम कर सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(a)** Ensuring that civil service values are recognised during the recruitment process and ensured through a code of ethics after appointment is a necessary condition of making the civil services an effective instrument of citizen centric governance. Comment. **10**

भर्ती प्रक्रिया के दौरान सिविल सेवा के मूल्यों को प्राथमिकता दिया जाना और नियुक्ति के उपरांत नीतिपरक आचार संहिता के माध्यम से उन्हें सुनिश्चित करना, सिविल सेवाओं को नागरिक केंद्रित शासन का एक प्रभावी साधन बनाने हेतु एक आवश्यक शर्त है। टिप्पणी कीजिए।

सिविल सेवा के मूल्य (नोलन समिति के अनुसार)

- → निष्पक्षता
- → निःस्वार्थता
- → ईमानदारी
- → वस्तुनिष्ठता
- → जवाबदेही
- → खुलापन
- → सत्यनिष्ठा

} → सार्वजनिक जीवन में जन कल्याण कारी शासन बनाने हेतु आवश्यक है।

भर्ती प्रक्रिया में इन मूल्यों को प्राथमिकता दिये जाने से इन मूल्यों से युक्त सिविल सेवक का चयन हो सकेगा, जो न केवल कानून एवं नियमों का पालन करेगा। बल्कि संवेदना, समानुभूति आदि मूल्यों के द्वारा जन केन्द्रित शासन उपलब्ध करायेगा।

→ नीतिपरक आचार संहिता के माध्यम से इन मूल्यों को लागू करना सेवा के दौरान सिविल सेवकों को

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

नैतिक द्वंदो से निकलने में मदद करेगा।

→ यह सिविल सेवकों पर एक नैतिक बाध्यता आरोपित करेगा।

नीतिपरक आचार संहिता के महत्व को देखते हुये 2nd ARC ने आचार संहिता नियमावली (1964) को कोड ऑफ इथिक्स से प्रतिस्थापित करने की बात कही है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(b)** What do you understand by cognitive dissonance? Giving examples, discuss how it influences one's behavior and attitude. **(10)**

संज्ञानात्मक विसंवादिता या विसंगति (cognitive dissonance) से आप क्या समझते हैं? उदाहरण प्रस्तुत करते हुए, चर्चा कीजिए कि यह किसी व्यक्ति के व्यवहार एवं अभिवृत्ति को किस प्रकार प्रभावित करती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (a) What do you understand by Amartya Sen's 'capability approach'? Analyse its significance in understanding social realities and in making a pro poor development strategy. **(10)**

अमर्त्य सेन के 'क्षमता दृष्टिकोण' से आप क्या समझते हैं? सामाजिक वास्तविकताओं को समझने और निर्धन-उन्मुख विकास रणनीति बनाने में इसके महत्व का विश्लेषण कीजिए।

क्षमता उपागम से तात्पर्य मानव विकास सुनिश्चित करने के लिए सभी व्यक्तियों को इतने संसाधन उपलब्ध होने चाहिए की वह अपनी अधिकतम क्षमता प्राप्त कर सके।

सामाजिक वास्तविकताये —

- सभी को अवसरों की समान उपलब्धता नहीं।
- अमीर-गरीब के मध्य तेजी से बढ़ती असमानता।
- संसाधनों का संकेन्द्रण कुछ हाथों में अतः निर्धन एवं हाशियाकृत वर्ग अपनी क्षमता को प्राप्त करने मे अक्षम।

निर्धन उन्मुख विकास रणनीति मे महत्व :

- संसाधनों का न्यायपूर्ण वितरण असमानता को कम करेगा।
- सभी को एक समान अवसर निर्धन वर्गों को उनकी क्षमताये प्राप्त करने में सहायक होगें।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (b) While in principle most nations claim commitment to universal values, in practice these values are honoured more in breach than in the observance. In context of this statement, comment on the relevance of values in foreign policy. (10)

यद्यपि सैद्धांतिक रूप में अधिकतर राष्ट्र सार्वभौमिक मूल्यों के प्रति वचनबद्धता का दावा करते हैं, लेकिन व्यवहार में इन मूल्यों का उल्लंघन अधिक और अनुपालन कम किया जाता है। इस कथन के संदर्भ में, विदेश नीति में मूल्यों की प्रासंगिकता पर टिप्पणी कीजिए।

अधिकतर राष्ट्र सार्वभौमिक मूल्यों के प्रति वचनबद्धता का दावा करते है। यह बात सतत विकास लक्ष्यों, पेरिस समझौते, मानवाधिकार का घोषणापत्र इत्यादि अंतर्राष्ट्रीय समझौतों की सर्वमान्य स्वीकृति से स्पष्ट है। परंतु व्यवहार में उल्लंघन अधिक देखा जाता है।

- उदा० - प्रदूषण के प्रति अपनी जिम्मेदारी स्वीकारने से विकसित देशों की अस्वीकृति।
- शरणार्थी संकट के प्रति प्रतिक्रिया। (कई देशों ने सीमायें बंद करली)
- ~~सुरक्षा परिषद द्वारा~~ देशो द्वारा अपने हितों को प्राथमिकता दिया जाना (म्यांमार संकट में आसियान देशो का विरोधाभासी रवैया)
- अमेरिका द्वारा अन्य देशों की जासूसी (एडवर्ड स्नोडेन मामला)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

विदेश नीति के मूल्य: संप्रभुता का सम्मान, शांतिपूर्ण सहअस्तित्व, अनाक्रमकता आदि।

प्रासंगिकता: राष्ट्रों को एक-दूसरे के साथ सहयोग हेतु प्रेरित करते हैं।

– अन्तर्राष्ट्रीय शांति बनाये रखते हैं।

→ वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को प्रेरित करते हैं।

– सभी नागरिकों के साथ समान व्यवहार तथा जन से जन संपर्क सौहार्दपूर्ण सुनिश्चित करते हैं।

6. While some ethical approaches consider an action to be ethical based on results, other focus on means. Taking the example of Indian bureaucracy compare and examine how these approaches have played out for the benefit of citizens. **(10)**

जहाँ कुछ नैतिक दृष्टिकोण किसी कार्यवाही को उसके परिणामों के आधार पर नैतिक मानते हैं, वहीं दूसरे विचारक साधनों पर ध्यान केन्द्रित करते हैं। भारतीय नौकरशाही का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए तुलनात्मक परीक्षण कीजिए कि इन दृष्टिकोणों ने नागरिकों को लाभान्वित करने में किस प्रकार अपनी भूमिका का निर्वाह किया है।

परिणाम मूलक नैतिकता - इसमें साधन नहीं बल्कि साध्य की नैतिकता पर जोर दिया जाता है। (उदा० - चोरी के धन का प्रयोग गरीब जनता के कल्याण हेतु करना)

प्रयोजन मूलक / साधन मूलक नैतिकता - यह परिणाम पर नहीं बल्कि अपनायी गयी प्रक्रिया की नैतिकता पर जोर देता है, चाहे परिणाम नकारात्मक ही क्यों न हो। (उदा० कानून के पालन में सड़कों पर से ठेले वालों को हटाना भले ही उनकी आजीविका चली जाये)

भारतीय नौकरशाही प्रायः साधन मूलक नैतिकता अर्थात नियमानुसार कार्य करती है।

नागरिकों को लाभान्वित करने में भूमिका—

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ अनैतिक साधनों जैसे भ्रष्टाचार को हतोत्साहित करती है, तथा संसाधनों का आवंटन जनकल्याण हेतु सुनिश्चित करती है।

→ सकारात्मक पक्षपात के माध्यम से वंचित वर्गों का कल्याण सुनिश्चित करती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. What are the ethical principles that should form the basis of the system permitting organ donation and allocation? Also discuss the importance of regulation for the success of any organ transplant program. **(10)**

अंगदान और आवंटन की अनुमति प्रदान करने का आधार निर्मित करने हेतु उपयोग किए जाने योग्य नैतिक सिद्धांत क्या होने चाहिए? किसी भी अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम की सफलता के लिए विनियमन के महत्व की चर्चा कीजिए।

अंगदान और आवंटन की अनुमति हेतु नैतिक सिद्धान्त:

→ अंगदान स्वेच्छा से हो न की मजबूरी में।

→ इसका मौद्रिक मूल्य न हो तथा परोपकारिता आधारित हो।

→ आवंटन के लिए निष्पक्षता होनी चाहिए। (अर्थात अमीर-गरीब में भेदभाव न हो।)

→

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. Where as some argue that leaks constitute an affront to democracy, others are of the opinion that leaks are a part of democracy. Examine the merits of both the arguments in the context of information attributed to leaks from government offices and whistleblowers. **(10)**

जहाँ कुछ लोग यह तर्क देते हैं कि रहस्योदघाटन से लोकतंत्र का निरादार होता है, वहीं अन्य लोगों का मत है कि रहस्योद्घाटन लोकतंत्र का एक भाग हैं। सरकारी कार्यालयों और व्हिसल ब्लोअरों द्वारा किए जाने वाले रहस्योदघाटनों से संबद्ध जानकारी के संदर्भ में इन दोनों तर्कों के गुणों का परीक्षण कीजिए।

यह विवाद मुख्यतः निजता/गोपनीयता तथा सूचना के अधिकार के मध्य स्पष्ट विरोधाभास को प्रकट करता है।

~~रहस्यो~~ निजता को प्राथमिकता देना।

गुण:
→ राज्य द्वारा जनता पर अतिक्रमण को रोकता है।
→ लोकसेवक के अनामिता के सिद्धान्त को बनाये रखता है, तथा वह बिना भय के कार्य कर सकता है।

दोष: – भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे सकता है।
⇒ जवाबदेही कम करता है।
→ जनता के सूचना के अधिकार का उल्लंघन।

रहस्योदघाटन लोकतंत्र के एक भाग के रूप में।
(सूचना के अधिकार को प्राथमिकता)
→ जनता को सशक्त बनाता है।
→ कार्यों में पारदर्शिता तथा खुलापन

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ जवाबदेहीता की प्राप्ति।

क्षेत्र: राष्ट्रीय सुरक्षा, तथा अविश्वास को जन्म दे सकता है।

→ निजता के मूल अधिकार का उल्लंघन

इस प्रकार सरकारी कार्यालयों में इन दोनों ही अधिकारों के मध्य संतुलन ही एक परिपक्व लोकतंत्र का निर्माण करता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

9. You are a young recruit to the IAS. Upon the completion of your training you have been posted in a subdividion of a district where industrial development has been lagging. The area has large reserves of minerals and a significant tribal population. The government has identified the area for a large thermal power plant and also adequate expansion of mining. This announcement has seen a rise in land prices in the area as well as unrest among the local population about possible land acquisition. As part of routine examination of records you observe large land purchases in recent years that are linked with the family of the local politician, who is also a member of the state cabinet. You also recognise that much of this land is around the site of the proposed industrial area. Further, one of your staff members also informs you that the family has been buying in the name of drivers, cleaners as well as domestic helps. You feel that having been aware of the policy decision the politician has played a role in these purchases. Incidently your relations with the politician have been cordial and he is a popular figure in the area.

(a) As the official responsible for acquisition of land and payment of compensation for the land acquired, what are the ethical issues that you face in the given situation?

(b) What will be your response to a suggestion that in view of these benami land transfers a freeze on land sale in the area should be enforced?

(c) What is the course of action that you would take? Justify with reasons.

(20)

आप नवनियुक्त एक युवा IAS हैं। आपके प्रशिक्षण के समापन पर आपको एक जिले के एक ऐसे सब-डिवीज़न में पदस्थापित किया गया है जो औद्योगिक विकास की दृष्टि से पिछड़ा हुआ है। इस क्षेत्र में खनिज के विशाल भंडार हैं और पर्याप्त संख्या में जनजातीय जनसंख्या निवास करती है। सरकार ने एक बड़े थर्मल पॉवर प्लांट की स्थापना और साथ ही खनन का पर्याप्त विस्तार करने के लिए इस क्षेत्र को चिह्नित किया है। इस घोषणा के परिणामस्वरूप क्षेत्र में भूमि की कीमतों में उछाल और साथ ही स्थानीय जनसंख्या के बीच संभावित भूमि अधिग्रहण के कारण अशांति व्याप्त होने की स्थिति पायी गयी है। रिकॉर्ड्स (अभिलेखों) की नियमित जाँच के दौरान आपको ज्ञात होता है कि हाल के वर्षों में स्थानीय राजनेता के परिवार से संबद्ध लोगों द्वारा बड़ी मात्रा में भूमि की खरीद की गई है, और वह राजनेता राज्य मंत्रिपरिषद का सदस्य भी है। आपको यह भी ज्ञात होता है कि इनमें से अधिकतर भूमि प्रस्तावित औद्योगिक क्षेत्र के आस-पास हैं। इसके अतिरिक्त, आपका एक कर्मचारी आपको यह सूचना देता है कि उक्त परिवार द्वारा अपने वाहन चालकों, सफाई कर्मचारियों और साथ ही घरेलू सहायकों के नाम पर भी जमीनें खरीदी गयी हैं। आपको अनुभव होता है कि नीतिगत निर्णय से अवगत होने के कारण राजनेता की इन खरीदों में भूमिका रही है। संयोग से राजनेता के साथ आपके संबंध सौहार्दपूर्ण रहे हैं और वह क्षेत्र में लोकप्रिय भी है।

} बेनामी
} गोपनीयता

(a) भूमि अधिग्रहण एवं अधिग्रहित भूमि हेतु क्षतिपूर्ति के भुगतान के लिए जिम्मेदार अधिकारी के रूप में, दी गई परिस्थिति में आप कौन-से नैतिक मुद्दों का सामना करेंगे?

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) इन बेनामी भूमि अंतरणों को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र में भूमि की बिक्री पर रोक लगाए जाने के सुझाव पर आपकी प्रतिक्रिया क्या होगी?

(c) आप क्या कार्यवाही करना चाहेंगे? तर्क प्रस्तुत करते हुए इसका औचित्य सिद्ध कीजिए।

वर्तमान में देश के विभिन्न जनजातीय इलाकों में इस तरह की समस्यायें देखने को मिली है। तथा राजनेताओं द्वारा गोपनीय निर्णयों का स्वंय के हित में फायदा उठाया गया है। (उदा० DLF भूमि विवाद)

a) नैतिक मुद्दे—

1) जनजातीय स्थानों पर भूमि अधिग्रहण: ये आबादी अपनी आजीविका हेतु इन्हीं संसाधनों पर निर्भर रहती है, तथा भूमि अधिग्रहण का वास्तविक लाभ न मिलने से उनमें विस्थापन अलगाववाद की समस्या।

2) बेनामी संपत्ति - राजनेता के परिवार द्वारा अन्य लोगों के नाम से जमीन खरीदना बेनामी संपत्ति के कानून का उल्लंघन है।

3) गोपनीयता का उल्लंघन) - नीतिगत निर्णयों में शामिल रहने वाले राजनेता द्वारा 'पद एवं गोपनीयता की शपथ'

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(मंत्रीपरिषद) का उल्लंघन किया गया है।

b) बेनामी भूमि अंतरणों को ध्यान में रखते हुये क्षेत्र में भूमि की बिक्री पर रोक लगाये जाने के सुझाव पर मेरी प्रतिक्रिया।

→ भूमि बिक्री पर रोक लगाने से इस क्षेत्र का विकास बाधित होगा।

→ औद्योगीकरण से हजारों रोजगार सृजन की संभावना है।

→ भूमि बिक्री पर रोक लगाना मूल समस्या (बेनामी संपत्ति) का हल नहीं है।

→ देरी किये जाने पर यह समस्या और गंभीर हो सकती है।

c) कार्यवाही: → ~~सर्वप्रथम मैं बेनामी संपत्ति खरीदने की जाँच करूँगा।~~

→ ~~प्रवर्तन निदेशालय~~

प्रवर्तन एजेंसियों से बेनामी संपत्ति की जाँच करने का आग्रह करूँगा।

→ बेनामी संपत्ति पाये जाने पर बेनामी अधिनियम (2016) के तहत कार्यवाही तथा भूमि का अधिग्रहण सुनिश्चित करूँगा।

→ मैं यह सुनिश्चित करूँगा कि जिन

आदिवासियों से भूमि खरीदी गयी थी, उनको भूमि अधिग्रहण के मुआवजे संबंधी लाभ मिले।

→ इसके जिला खनिज कोष (DMF) तथा प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना के तहत आवंटित धन का उनके विकास कार्यों के लिए उपयोग करूंगा।

उपरोक्त निर्णय से मेरे व्यक्तिगत संबंध भले ही राजनेता से खराब हो जायें। परंतु इससे कानून का क्रियान्वयन, सेवा के प्रति प्रतिबद्धता, जनकेन्द्रित शासन, तथा पिछड़े वर्गों का कल्याण प्राप्त होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. According to the WHO suicide is the second leading cause of death in the age group of 15-29 years globally. In India also, instances of young people committing suicide have been reported widely in recent times. It is all the more disturbing that such a phenomenon is increasingly visible in urban and prosperous areas.

(a) What are the reasons that render people vulnerable to taking such drastic steps as suicide?

(b) Also, discuss the role that you as an individual, the society and the government can play in addressing this issue. **(20)**

WHO के अनुसार विश्व स्तर पर 15-29 वर्ष के आयुवर्ग में मृत्यु का दूसरा प्रमुख कारण आत्महत्या है। भारत में भी, हाल के दिनों में युवाओं द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटनाओं की व्यापक रिपोर्ट आती रही हैं। शहरी और समृद्ध क्षेत्रों में इस प्रकार की घटनाओं में निरंतर वृद्धि का दिखायी देना और अधिक विचलित करने वाला विषय है।

(a) लोगों को आत्महत्या जैसे कठोर कदम उठाने के प्रति सुभेद्य बनाने वाले कारण क्या हैं?

(b) साथ ही, चर्चा कीजिए कि व्यक्तिगत रूप से आप, समाज और सरकार इस समस्या का समाधान करने में किस प्रकार भूमिका निभा सकते हैं।

"हाल ही में आई० आई० टी० गुवाहाटी की एक छात्रा ने आत्महत्या करली। इस प्रकार के प्रकरण आजकल प्रमुख सुर्खियाँ बन चुके है तथा WHO ने इसे 15-29 आयुवर्ग में मृत्यु का दूसरा सबसे प्रमुख कारण माना है।

a) लोगों को आत्महत्या जैसे कठोर कदम उठाने के प्रति सुभेद्य बनाने वाले कारण।

1) व्यक्तिगत जीवन के प्रति नकारात्मक मनोवृति - ऐसा स्वंय को असफल मान लेने, अन्य लोगो के प्रति ईर्ष्या से उत्पन्न होता है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ पारिवारिक सहयोग का अभाव - परिवार द्वारा व्यक्ति के साथ सहानुभूति एवं समानुभूति की कमी देखी गयी है।

→ माता-पिता के मध्य तनाव का बच्चों पर नकारात्मक असर पड़ता है।

→ आत्महत्या के प्रमुख कारणों मे एक प्रेम संबंधों में विफलता है।

→ कैरियर चुनने संबंधी चिंता तथा अकेलापन सुभेद्यता को बढ़ा देता है।

→ घर पर व्यक्ति के व्यवहार की अनदेखी तथा मानसिक समस्याओं को समझने से इंकार कर देना।

b) 1) व्यक्तिगत भूमिका:- सिविल सोसाइटी तथा NGOs से इस संदर्भ में जागरूकता फैलाने का प्रयास करूँगा।

-2) अपने आस-पास किसी समस्या से पीड़ित बच्चे की सहायता करना।

2) समाज की भूमिका- आधुनिक मूल्यों को अपनाकर तथा बच्चों को कैरियर चुनने की आजादी देकर (केवल इंजीनियर, डॉक्टर को कैरियर विकल्प न मानना)

→ सुभेद्य बच्चों को समाजीकरण की प्रक्रिया में जीवन के मूल्यों की समझ विकसित करें।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ जीवन को साधन नहीं बल्कि साध्य की भाँति देखा जाये।

→ किसी परीक्षा में असफलता को स्वीकार करे तथा बच्चे को उत्साहित रखे।

सरकार की भूमिका - मनोचिकित्सको की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें।

→ जागरुकता अभियानों के माध्यम से समाज की अभिवृत्ति में परिवर्तन लायें

→ उन सेलीब्रिटीज के जीवन दृष्टांतों को पाठ्यक्रम में शामिल करें, जो आत्महत्या करने की बजाय, परिस्थितियों का मुकाबला करके सफल हुये हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. You are posted as a District Magistrate of a primarily rural district. Excess agricultural production has led to a continuous fall in market prices of crops in the last three years. With elections approaching soon, the opposition has decided to make this a political issue and has mobilised farmers to protest against falling prices. The protests turned violent at some point and police had to fire in self-defence, killing two people. Violence has increased since then and you yourself were attacked when you tried to pacify the protestors. The protestors have also blocked the main roads as well as railways to prevent movement of goods and people.
Given the situation, answer the following questions:

(a) Identify the key concerns that need to be addressed on a priority basis.

(b) What steps will you take to address them? **(20)**

आप मूलत: ग्रामीण परिवेश वाले एक जिले के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में पदस्थापित हैं। अधिशेष कृषि उत्पादन के परिणामस्वरूप पिछले तीन वर्षों में फसलों के बाजार मूल्य में निरंतर गिरावट आई है। शीघ्र ही चुनाव आने के कारण, विपक्ष ने इसे एक राजनीतिक मुद्दा बनाने का निर्णय लिया है और गिरते मूल्यों के विरुद्ध विरोध प्रदर्शन करने के लिए किसानों को एकजुट किया है। कुछ स्थानों पर विरोध-प्रदर्शन ने हिंसक रूप धारण कर लिया और पुलिस को आत्मरक्षा में गोली चलानी पड़ी, जिसमें दो लोगों की मृत्यु हो गई। तब से हिंसा और अधिक बढ़ गई है और जब आपने प्रदर्शनकारियों को शांत कराने का प्रयास किया तो आप पर भी आक्रमण किया गया। प्रदर्शनकारियों ने वस्तुओं और लोगों की आवाजाही को बाधित करने के लिए मुख्य सड़कों और साथ ही रेल मार्गों को भी अवरुद्ध कर दिया है।
दी गई परिस्थिति में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) उन प्रमुख चिंताओं की पहचान कीजिए जिनका समाधान प्राथमिकता के आधार पर किए जाने की आवश्यकता है।

(b) उनका समाधान करने के लिए आप कौन-से कदम उठाएंगे?

PSF,

a) हाल ही मे कृषि उत्पादन के घटती कीमतों के कारण देशभर में कानून व्यवस्था की समस्या देखी गयी है एक जिलाधिकारी के रूप में मेरी प्राथमिकता।

→ कानून व्यवस्था बनाये रखना।
→ सड़क एवं रेल मार्ग को जल्द से जल्द पुर्ण सुचारु रूप से चालु करना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ कृषि उपज की घटती कीमतों का समाधान।

b) समाधान करने के लिए उठाये गये कदम :

(1) सर्वप्रथम लाऊडस्पीकर की सहायता से प्रदर्शनकारियों से सड़कों एवं रेल मार्ग को खाली करने का अनुरोध करूँगा।

(2) प्रदर्शन स्थलों पर ड्रोन, कैमरे तथा चिकित्सकीय सुविधाओं की व्यवस्था करूँगा (ताकि आपात स्थिति में निपटा जा सके।)

(3) प्रदर्शनकारियों में मौजूद असामाजिक तत्वों की पहचान कर उन्हें बाहर निकालने का प्रयास। जिससे स्थिति गंभीर न हो।

4) किसानों के फिर भी न मानने पर बल का प्रयोग क्योंकि कानून व्यवस्था बनाये रखना मेरी प्राथमिकता होगी।

5) हालांकि अभी भी मूल समस्या (फसलों का मूल्य गिरना)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

का समाधान करने हेतु
- किसानों की उपज को न्यूनतम समर्थन मूल्य की खरीददारी सुनिश्चित करेगा।
- उन्हें भंडारण की उचित सुविधा मुहैया कराएगा तथा आवश्यकताओं की प्राप्ति हेतु नेगोशिएबल वेयर हाउस रिसिप्ट पर ऋण देने के लिए बैंकों से आग्रह करेगा।
- इसके अलावा व्यापक कृषि सुधार हेतु अन्य सरकारी योजनाओं जैसे (परंपरागत कृषि विकास योजना, प्राइज स्टेबिलिटी फंड, e-NAM इत्यादि) को लागू करने का प्रयास करेगा।

इस प्रकार उपरोक्त कदम उठाने से सिविल सेवा के मूल्य - भावनात्मक बुद्धिमता, वस्तुनिष्ठता, कानून का सम्मान तथा समानुभूति की स्थापना हो सकेगी।

12. You have recently been promoted as a Branch Manager in a Public Sector Bank. The bank is battling high NPAs and mounting losses. You have been assigned a very high target of loans by the higher management for the current quarter. Your career prospects also depend on your performance in critical times. Few days back you rejected a loan application for a huge sum based on detailed analysis. Today you got a call from the Regional Manager to approve the loan quickly. On your reluctance to approve, he hints that the loan is sought by a person well connected in the finance ministry and that a refusal will have consequences for everyone in the approval chain. You are now in a tough spot.

Based on the given information, answer the following questions:

(a) Bring out the ethical issues in the case above.

(b) What are the consequences of agreeing to the demands of the senior in the given case. Assess which of them are meritorious and which are not.

(c) Suggest institutional reforms that can result in non-punishment of honest feedback. **(20)**

आपको हाल ही में सार्वजनिक क्षेत्रक के एक बैंक में शाखा प्रबंधक के रूप में पदोन्नत किया गया है। यह बैंक उच्च NPAs और बढ़ते नुकसान से जूझ रहा है। उच्च प्रबंधन ने वर्तमान तिमाही में ऋण वितरित करने का एक अत्यधिक उच्च लक्ष्य आपको सौंपा है। आपके करियर की संभावनाएं भी महत्वपूर्ण समय में आपके प्रदर्शन पर निर्भर करती हैं। कुछ दिनों पूर्व विस्तृत विश्लेषण के आधार पर आपने एक विशाल राशि के लिए एक ऋण आवेदन को अस्वीकार कर दिया था। आज आपको क्षेत्रीय प्रबंधक की ओर से उस ऋण आवेदन को शीघ्रतापूर्वक अनुमोदित करने के लिए फोन आया। इसे स्वीकृत करने हेतु आपके द्वारा अनिच्छा व्यक्त किए जाने पर, वह आपको संकेत करते हैं कि इस ऋण की मांग ऐसे व्यक्ति द्वारा की जा रही है जिसके वित्त मंत्रालय से घनिष्ठ संबंध हैं और इनकार करने पर अनुमोदन श्रृंखला में विद्यमान प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्रतिकूल परिणाम होंगे। अब आप एक कठिन परिस्थिति में फंस गए हैं।

दी गई जानकारी के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) उपर्युक्त मामले में समाविष्ट नैतिक मुद्दों को प्रस्तुत कीजिए।

(b) दिए गए मामले में वरिष्ठ अधिकारी की मांगों के प्रति सहमत होने के परिणाम क्या होंगे। आकलन की कीजिए कि उनमें से कौन-से अनुकरणीय हैं और कौन-से नहीं।

(c) ऐसे संस्थागत सुधारों का सुझाव दीजिए जिससे ईमानदारी से दी गई प्रतिपुष्टि (फीडबैक) के लिए कोई सजा न भुगतनी पड़े।

यह समस्या वर्तमान बैंकिंग प्रणाली में
राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण
वितरित ऋणों के द्वारा बढ़ते
NPAs से संबंधित है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

a) नैतिक मुद्दे :

राजनीतिक दबाव में ऋण आवंटन - इससे बैंकों की परिसंपत्ति की गुणवत्ता प्रभावित होती है, तथा जोखिम बढ़ता है।

लोकसेवकों पर दबाव - इसके कारण दक्षता प्रभावित होती है, तथा भ्रष्टाचार की संभावना बढ़ती है।

सार्वजनिक जमा राशि का दुरुपयोग - बैंकों में जमा धन जनता का है, अतः इसका सही ढंग से उपयोग न होना बैंकिंग प्रणाली में अविश्वास को जन्म देगा''

b) अधिकारी की मांगों के प्रति सहमत होने के परिणाम : (I) सकारात्मक

→ ऋण वितरण करने का लक्ष्य समय पर पूर्ण हो जायेगा।

→ अधिकारी से मेरे अच्छे संबंध कायम होंगे तथा पदोन्नति की संभावना बढ़ेगी।

→ अनुमोदन श्रृंखला में शामिल सभी व्यक्तियों का लाभ होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

नकारात्मक - बैंको का जोखिम बढ़ेगा।
→ NPA की समस्या और बढ़ सकती है,
→ यह भ्रष्ट आचरण का स्पष्ट मामला है।

c) संस्थागत सुधार के सुझाव :
→ बैंकिंग व्यवस्था में राजनीतिक हस्तक्षेप समाप्त किया जाये।
→ निर्णयन प्रक्रिया में एकाधिकार की समाप्ति तथा पूरे बोर्ड का गठन हो जो ऋण आवेदनों की स्वीकृति दे।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. You, the chairperson of a State Public Service Commission (SPSC), come to know that there were instances of rampant cheating in a competitive exam conducted recently by the SPSC. Your daughter, who also appeared in this exam and is confident of clearing it corroborates the same. However, she denies engaging in any such activity herself. Whatever decision the Commission takes is bound to affect the career of a large number of candidates who appeared in the exam, including your own daughter.

(a) Identify the different stakeholders and their interests in the case above.

(b) Enumerate the options you have to handle the current situation. What will be your choice and why?

(c) Suggest measures that you would take to make sure that a similar situation does not arise in future. **(20)**

आप, एक राज्य लोक सेवा आयोग (SPSC) के अध्यक्ष हैं। आपको ज्ञात होता है कि SPSC द्वारा हाल ही में आयोजित एक प्रतियोगिता परीक्षा में बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी की घटनाएँ हुई थीं। आपकी बेटी ने भी इस परीक्षा में भाग लिया था और वह इसमें उत्तीर्ण होने के प्रति आश्वस्त है, वह भी इन घटनाओं की पुष्टि करती है। हालांकि, वह स्वयं ऐसी किसी प्रकार की गतिविधि में संलग्न होने से इनकार करती है। आयोग जो भी निर्णय लेगा, उससे परीक्षा में भाग लेने वाले बहुसंख्यक उम्मीदवारों का भविष्य प्रभावित होना तय है, जिनमें आपकी बेटी भी सम्मिलित है।

(a) उपर्युक्त मामले में विभिन्न हितधारकों एवं उनके हितों की पहचान कीजिए।

(b) वर्तमान परिस्थिति से निपटने के लिए आप अपने पास उपलब्ध विकल्पों को सूचीबद्ध कीजिए। आप किस विकल्प का चयन करेंगे और क्यों?

(c) ऐसे उपायों का सुझाव दीजिए जो यह सुनिश्चित करने के लिए आप अपनाएंगे जिससे कि भविष्य में इस प्रकार की स्थिति पुन: उत्पन्न न हो।

वर्तमान में कई राज्यों की भर्ती परीक्षाओं में इस प्रकार की धांधली देखी गयी है, जो न केवल सार्वजनिक नियुक्तियों में अदक्षता को जन्म देती है, बल्कि अराजकता का माहौल भी उत्पन्न करती है।

a) हितधारक एवं उनके हित :

① परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवार
उनका हित सुचितापूर्वक परीक्षा के

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

माध्यम से निष्पक्ष चयन प्रक्रिया में भाग लेना है।

(2) राज्य लोक सेवा आयोग - एक निष्पक्ष भर्ती प्राधिकरण के रूप में निष्पक्ष चयन परीक्षाएं आयोजित करना इसकी जिम्मेदारी है।

(3) अध्यक्ष के रूप में मैं - स्वच्छ एवं निष्पक्ष परीक्षा न हो पाना मेरे कर्तव्यों की विफलता है।

(4) समाज - भ्रष्ट सिविल सेवक जनकल्याण कारी कार्यों में बाधा पहुँचाते हैं, जिससे समाज का व्यापक हित जुड़ा है।

(5) मेरी बेटी - एक अभ्यर्थी के रूप में उसका भी भविष्य दांव पर है।

उपलब्ध विकल्प -

(1) भर्ती प्रक्रिया जारी रहने दूं।

(2) भर्ती प्रक्रिया को पुनः आयोजित किया जाये।

(3) एक जाँच दल का गठन किया जाये तथा दोषियों को सजा दी जाये।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

~~प्रश्न विकल्प का चयन -~~
~~विकल्प (1) का चयन करूँगा व्यवस्था की असफलता को दर्शायेगा, तथा भ्रष्ट लोगों को संभावित विमुक्ति करेगा।~~

विकल्प का चयन : भर्ती परीक्षा जारी नहीं रखी जा सकती है, तथा भ्रष्टाचार हुआ है, इसकी जाँच के लिए दल का गठन करूँगा।

→ भ्रष्टाचार की पुष्टि होने पर भर्ती प्रक्रिया रद्द करके दुबारा भर्ती आयोजन तथा संबंधित अधिकारियों को सजा दिलाना मेरा कर्तव्य होगा।

इससे न केवल परीक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित हो सकेगी बल्कि हजारों छात्रों का भविष्य भी दाँव पर नहीं लगेगा।

c) भविष्य हेतु सुझाव :

– परीक्षा आयोजन में शामिल व्यक्तियों का पूर्व मूल्यांकन।

→ अच्छे चरित्र वाले लोगों का ही भर्ती आयोजन हेतु चयन।

→ कार्यों का इस प्रकार बँटवारा जिससे कोई सूचना बाहर न आ सके।

→ ~~अधिक से अधिक सदस्यों~~ तकनीक का प्रयोग। कैमरे, सर्विलांस का प्रयोग करके आयोजकों पर निगरानी।

→ आनलाइन परीक्षा कराने पर जोर।

→ भर्ती परीक्षा में एक से अधिक प्रश्न पत्रों का निर्माण तथा उनमें से रैंडम चयन।

14. You are waiting in your car for your turn at a toll tax booth. You suddenly witness some men heckling and manhandling the toll booth operator and vandalising the property at the toll booth. They are accompanying a local politician who was passing through. Disgruntled with the fact that they were asked to pay the toll, they began to argue that the toll is too high and the public is being exploited by charging an unreasonable toll fee. At the same time they are also warning others against paying the toll fee. However, the other people around you are keeping with themselves, without anyone coming forward to intervene. While you also felt that the toll was quite high, you believe that this is not the right thing to do.

(a) Bring out the ethical issues in the case above.

(b) What accounts for such an overt display of hooliganism in our country.

(c) What is the course of action that you would take? Justify with appropriate reasons. **(20)**

आप अपनी कार में टोल टैक्स बूथ पर अपनी बारी की प्रतीक्षा कर रहे हैं। अचानक आप कुछ लोगों को टोल टैक्स बूथ के संचालक से उलझते और हाथापाई करते तथा टोल टैक्स बूथ पर संपत्ति को तहस-नहस करते हुए देखते हैं। वे, वहाँ से गुजर रहे एक स्थानीय राजनेता के साथ हैं। टोल टैक्स का भुगतान करने को कहे जाने से असंतुष्ट होकर उन्होंने यह तर्क देना आरम्भ कर दिया कि टोल टैक्स बहुत अधिक प्रभारित किया जा रहा है और ऐसा अनुचित टोल टैक्स प्रभारित कर जनता का शोषण किया जा रहा है। साथ ही वे अन्य लोगों को भी टोल टैक्स का भुगतान न करने की चेतावनी दे रहे हैं। लेकिन, आपके आसपास के अन्य लोग तटस्थ होकर देख रहे हैं और कोई भी हस्तक्षेप करने के लिए आगे नहीं आ रहा है। यद्यपि आप अनुभव करते हैं कि टोल टैक्स काफी अधिक है, फिर भी आपका मानना है कि इस प्रकार से प्रतिक्रिया करना उचित नहीं है।

(a) उपर्युक्त मामले में समाविष्ट नैतिक मुद्दों को प्रस्तुत कीजिए।

(b) हमारे देश में गुंडागर्दी के ऐसे सार्वजनिक प्रदर्शन का कारण क्या है?

(c) आप क्या कार्यवाही करना चाहेंगे? यथोचित तर्क प्रस्तुत करते हुए इसका औचित्य सिद्ध कीजिए।

वर्तमान समय में विभिन्न टोल नाकों पर इस प्रकार की घटनायें राजनेताओं द्वारा कानून का अनादर तथा लोकतांत्रिक मूल्यों का हनन करती है।

a) नैतिक मुद्दे : (1) सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान : टोल टैक्स

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

के विरोध में तोड़फोड़ मूल्यवान सार्वजनिक संपत्ति और नुकसान की स्पष्ट घटना है।

2) सार्वजनिक कार्यों मे बाधा – राजनेता के समर्थकों द्वारा लोक कर्मचारियों को उनके कर्तव्यों के पालन से रोका जा रहा है, तथा उन्हें क्षति पहुँचाई जा रही है।

3) इन घटनाओं के प्रति लोगों की इग्नोरेंस – यह जनता में सार्वजनिक मूल्यों का ह्रास प्रदर्शित करता है, तथा सार्वजनिक कर्तव्यों की अनदेखी एवं अन्याय के खिलाफ चुप रहने की समस्या।

5) गुंडागर्दी के ऐसे सार्वजनिक प्रदर्शन का कारण :

→ शक्तिशाली समूहों द्वारा स्वयं को कानून से ऊपर मान लेना।

→ हमारी कानून व्यवस्था की धीमी कार्यप्रणाली, तथा ऐसे लोगों को सजा न मिलना।

→ सार्वजनिक संपत्ति के प्रति अनादर का भाव तथा संबंधित कानूनी प्रक्रिया के प्रति जागरूकता का अभाव।

→ पुलिस प्रशासन के ऊपर राजनीतिक दबाव तथा मिली भगत।

→ शक्ति के उन्माद प्रदर्शन द्वारा लोगों में भय कायम करना, तथा अपनी मौलिकता का प्रदर्शन।

c) कार्यवाही का चयन तथा औचित्य

मैं सर्वप्रथम मोबाईल फोन से घटना का विडियो बनाऊँगा जिसे सबूत की तरह पेश किया जा सके।

→ पुलिस को फोन करूँगा, तथा घटनास्थल पर तत्काल आने को कहूँगा।

→ एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते ~~मेरा~~ यह मेरा कर्तव्य होगा कि मैं लोगों को समझाऊँ की टोल टैक्स सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था की गुणवत्ता बनाये रखने हेतु अति आवश्यक है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ इस प्रकार मैं एक जिम्मेदार नागरिक के सभी कर्तव्यों का पालन करते हुये दोषीयों को सजा दिलाने का कार्य करूँगा।